>

Title: Need to include cities below five lakh population under JNNRUM Scheme.

**श्री धनंजय सिंह (जौनपुर):** माननीय सभापति महोदय, केंद्र सरकार की एक बहुत ही महत्वपूर्ण योजना, जिसका नाम जेएनएनआरयूएम है, शहरों के विकास के लिए चल रही है। इस योजना का उद्देश्य तो निश्चित तौर पर बेहतर है कि इस योजना से शहरों का विकास होगा।

माननीय सभापति महोदय, आप बिहार से हैं और हम उत्तर प्रदेश से हैं। मुझे इस योजना में एक खामी दिखती है। इस योजना के तहत पाँच लाख के ऊपर की आबादी वाले शहरों को चयनित करने की बात रखी गई है। माननीय मंत्री सलमान खुर्शीद जी यहाँ बैठे हैं। उत्तर प्रदेश और बिहार के अधिकांशतः जिलों की आबादी पाँच लाख से कम है। पूरे देश में भी पाँच लाख की जनसंख्या वाले शहरों की संख्या ज्यादा है। उनकी जरूरतें भी ज्यादा हैं क्योंकि वे शहर अधिकांशतः अव्यवस्थित बसे हुए हैं। जब आप इतनी महत्वाकांक्षी योजना लागू कर रहे हैं तो इन शहरों को खास तौर से उस योजना में चयनित करना चाहिए। मेरी आपके माध्यम से केंद्र सरकार से माँग है कि पाँच लाख से नीचे की आबादी वाले शहरों को इसमें सम्मिलित किया जाए। क्योंव्Eि बार-बार यह बा उठती है कि विस्थापन के बाद लोग पलायन करके एक जगह से दूसरी जगह जाते थे। छोटे शहरों से लोग जाते हैं। कम से कम जो विस्थापन होता है, उसे रोकने में हम लोग कामयाब होंगे। छोटे शहरों का विकास भी हम व्यवस्थित कर पायेंगे और जो छोटे और बड़े शहरों का असंतुलन है, उसे भी हम लोगों को चैक करने में आसानी होगी। वर्तमान योजना में भी एक खामी है,यह योजना जिन-जिन शहरों में चल रही है, जहां ज्यादा रेवेन्यू जनरेट करते हैं, वहां ज्यादा पैसा दे रहे हैं लेकिन जहां रेवेन्यू कम आ रहा है, वहां कम पैसा जाने से असंतुलन बढ़ेगा। सरकार जो योजना बनाये, वह बेहतर तरीके से बनाये, ताकि असंतुलन न बढ़ें। छोटे और बड़े शहरों के बीच में असंतुलन न बढ़े, यह देश हित में रहेगा।